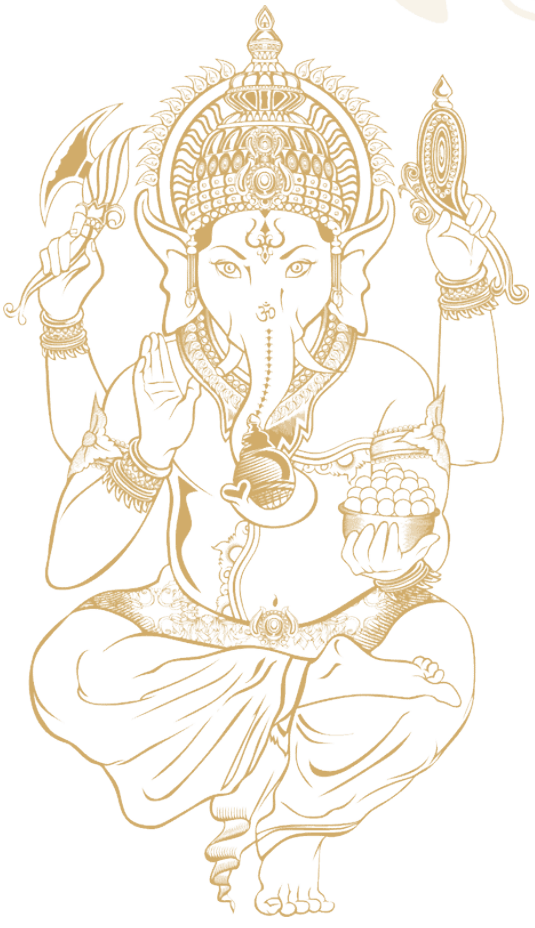

Shivam

Ayushi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121884002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/04/1997	जन्म तिथि	20/02/1999
बुधवार	दिन	शनिवार
घंटे 15:57:00	जन्म समय	22:00:00 घंटे
घटी 25:28:13	जन्म समय(घटी)	37:36:35 घटी
India	देश	India
Alwar	स्थान	Ajmer
27:32:00 उत्तर	अक्षांश	26:29:00 उत्तर
76:35:00 पूर्व	रेखांश	74:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:40	स्थानिक संस्कार	-00:31:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:45:42	सूर्योदय	07:04:01
18:56:33	सूर्यास्त	18:26:34
23:49:09	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:32

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 2वर्ष 0मा 24दि		07:43:33	कन्या	लग्न	कन्या	26:06:21	केतु 4वर्ष 0मा 27दि	
गुरु		16:17:45	मेष	सूर्य	कुंभ	07:44:34	सूर्य	
24/05/2024		20:34:41	मक	चंद्र	मेष	05:34:24	19/03/2023	
24/05/2040		22:57:42	सिंह	मंगल	तुला	14:44:19	19/03/2029	
गुरु	12/07/2026	08:12:41	मेष व	बुध	कुंभ	20:48:05	सूर्य	07/07/2023
शनि	23/01/2029	25:36:59	मक	गुरु	मीन	07:51:21	चन्द्र	06/01/2024
बुध	01/05/2031	23:30:34	मेष	शुक्र	मीन	04:42:08	मंगल	12/05/2024
केतु	06/04/2032	20:10:16	मीन	शनि	मेष	05:23:08	राहु	06/04/2025
शुक्र	06/12/2034	04:06:18	कन्या	राहु व	कर्क	28:15:53	गुरु	23/01/2026
सूर्य	24/09/2035	04:06:18	मीन	केतु व	मक	28:15:53	शनि	05/01/2027
चन्द्र	23/01/2037	14:47:13	मक	हर्ष	मक	19:59:30	बुध	12/11/2027
मंगल	30/12/2037	06:08:17	मक	नेप	मक	09:05:28	केतु	19/03/2028
राहु	24/05/2040	11:04:11	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	16:31:31	शुक्र	19/03/2029

लग्न-चलित

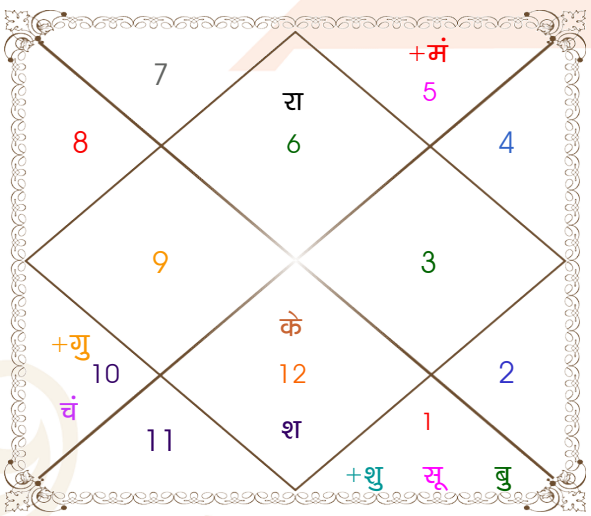

लग्न-चलित

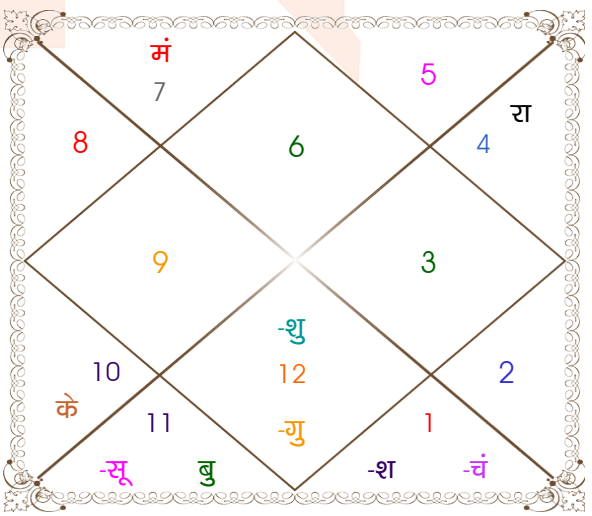

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

ौपअंउ का वर्ग मार्जार है तथा Ayushi का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारौपअंउ और Ayushi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ौपअंउ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

Ayushi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ayushi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ौपअंउ तथा Ayushi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।